Date: 10 **जुलाई** 2023

नेगलेरिया फाउलेरी

पाठ्यक्रम: प्रारंभिक परीक्षा: नेगलेरिया फाउलेरी
मुख्य परीक्षा: पेपर-3, विज्ञान और प्रौद्योगिकी

संदर्भ-

- हाल ही में, केरल में एक 15 वर्षीय लड़के की हाल ही में नेगलेरिया फाउलेरी, या "मस्तिष्क खाने वाले अमीबा" के कारण होने वाले दुर्लभ संक्रमण के कारण मृत्यु हो गई।

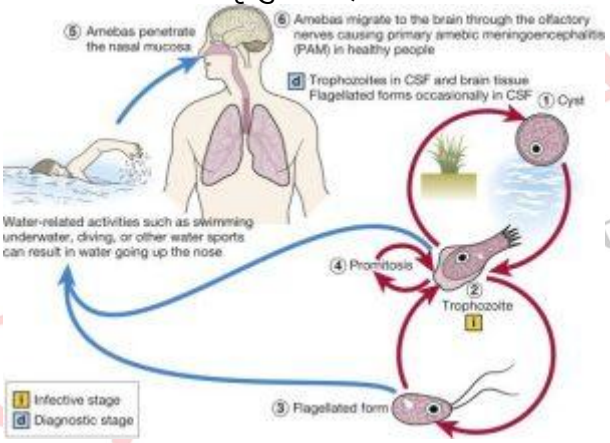

प्रमुख बिन्दु-

- नेगलेरिया फाउलेरी एक एकल-कोशिका वाला जीव (अमीबा) है जो गर्म मीठे पानी और मिट्टी में पाया जाता है।
- इसे आमतौर पर "मस्तिष्क खाने वाले अमीबा" के रूप में जाना जाता है।

पर्यावास और विशेषताएं:–

- झीलों, नदियों और गर्म झरनों जैसे गर्म मीठे पानी के वातावरण में पनपता है।
- 115 डिग्री फ़ारेनहाइट (46 डिग्री सेल्सियस) तक उच्च तापमान पसंद करता है और इससे भी अधिक तापमान पर संक्षिप्त रूप से जीवित रह सकता है।

संक्रमण मार्ग:–

- दूषित पानी सांस के जरिए अंदर जाने पर नाक के माध्यम से शरीर में प्रवेश करता है।
- आमतौर पर तैराकी, डाइविंग या ताजे पानी में सिर को डुबोने जैसी गतिविधियों के दौरान होता है।
- नाक से मस्तिष्क तक यात्रा करता है, जिससे प्राथमिक एमेबिक मेनिंगोएन्सेफलाइटिस (पीएएम) नामक एक गंभीर संक्रमण होता है।

परिणाम:-

- पीएएम केंद्रीय तंत्रिका तंत्र का एक जानलेवा संक्रमण है।

- उपचार के साथ भी मृत्यु दर 97% से अधिक है।
- संक्रमण मस्तिष्क के ऊतकों को नष्ट कर देता है, जिससे मस्तिष्क की सूजन हो जाती है।

ट्रांसमिशन के तरीके:-

- नाक की सफाई या साइनस कुल्ला करने के लिए दूषित नल के पानी का उपयोग करते समय भी संक्रमण हो सकता है।
- कोई सबूत नहीं हैं की यह जल वाष्प या एयरोसोल बूंदों के माध्यम से संचरण का होता है।
- दूषित पानी पीने से नेगलेरिया फाउलेरी संक्रमण नहीं होता है।
- अमीबा एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में नहीं फैलता है या संपर्क के अन्य रूपों में लक्षण पैदा नहीं करता है।

उपचार:-

- रोग नियंत्रण केंद्र (सीडीसी) उपचार के लिए दवाओं के संयोजन की सिफारिश करता है, जिसमें एम्फोटेरिसिन बी, एज़िथ्रोमाइसिन, फ्लुकोनाज़ोल, रिफैम्पिन, मिल्टेफॉसिन और डेक्सामेथासोन शामिल हैं।
- इन दवाओं का उपयोग जीवित रोगियों के इलाज के लिए किया जाता है।

अमीबा:-

- अमीबा एक कोशिका वाला जीव है, जो खुद से ही अपना आकार बदल सकता है। ये आमतौर पर तालाबों, झीलों और धीमी गति से बहने वाली नदियों में पाए जाते हैं। दरअसल, अमीबा पृथ्वी पर पाए जाने वाले सबसे पुराने यानी प्रिमिटिव जीवों में से एक है।
- नेचुरल हिस्ट्री म्यूजियम के मुताबिक 40 करोड़ साल पहले पहली बार अमीबा स्कॉटलैंड में मिला था। ये एक एककोशिकीय जीव बैक्टीरिया, वायरस या फंगस से अलग होता है।

Rajiv Pandey

पेरियार टाइगर रिजर्व

पाठ्यक्रम: सिविल सेवा मुख्य परीक्षा – सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र – 3-जैव-विविधता, पर्यावरण, सुरक्षा एवं आपदा प्रबंधन तथा सिविल सेवा के प्रारम्भिक परीक्षा-जैव-विविधता, पर्यावरण से संबंधित –

संदर्भ-

- स्थानीय मछली संपदा को बढ़ाने के उद्देश्य से, वन विभाग पेरियार टाइगर रिजर्व (पीटीआर) में झील के किनारे पेड़ों की नई किस्मों को लगाने के लिए एक परियोजना शुरू कर रहा है।

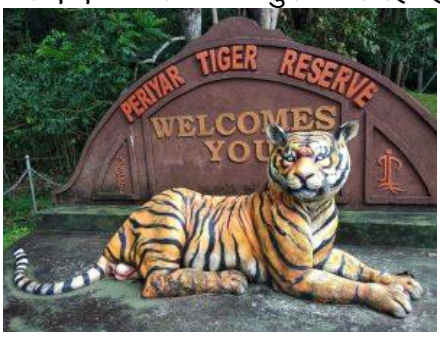

स्थान:-

- इसे वर्ष 1950 में अभयारण्य और वर्ष 1978 में एक बाघ अभयारण्य के रूप में नामित किया गया था।
- यह केरल के पश्चिमी घाट में स्थित है।
- इसका नाम पेरियार नदी के नाम पर रखा गया है जो रिजर्व के भीतर से निकलती है।
- मुलयार और पेरियार इस अभयारण्य से निकलने वाली दो प्रमुख नदियाँ हैं।

Yojna IAS योजना है तो सफलता है
yojnaias.com

- इस अभयारण्य में छह आदिवासी समुदाय बसे हुए हैं जैसे- मन्नान, पलियन, मलाइ अरायन, मलाइ पंडाराम, उरलिस और उलादन। आदिवासी समुदायों का घर।

भूभाग:-

- पहाड़ी और लहरदार परिदृश्य की विशेषता।
- अधिकतम ऊंचाई 2000 मीटर तक पहुंचती है।

वनस्पति:-

- इसमें उष्णकटिबंधीय सदाबहार, अर्ध-सदाबहार और नम पर्णपाती वन शामिल हैं।
- वनस्पतियों की एक विविध श्रृंखला का दावा करता है।
- घास की 171 से अधिक प्रजातियां।
- प्रमुख वनस्पतियों में सागौन, आम, शीशम, जामुन, जकरंदास, टर्मिनलिया, इमली, शाही पोंसियाना और बांस शामिल हैं।

पशु:-

- वन्यजीव प्रजातियों की बहुतायत।
- हाथी, जंगली सूअर, सांभर, गौर, माउस हिरण, डोले या बार्किंग हिरण, भारतीय जंगली कुत्ता, और बाघ रिजर्व में घूमते हैं।
- पीटीआर में चार प्राइमेट प्रजातियां रहती हैं, जिनमें दुर्लभ शेर-पूंछ वाले मकाक, नीलगिरि लंगूर, जी के गोल्डन लंगूर, कॉमन लंगूर और बोनट मकाक शामिल हैं।
- मायावी नीलगिरी तहर के लिए एक निवास स्थान है।

Rajiv Pandey

Yojna IAS
योजना है तो सफलता है
yojnaias.com